भारतात्मा अशोकजी सिंघल वेद पुरस्कार - 2024

॥भारतात्मा पुरस्कार॥

वेद सेवा को समर्पित

भारतात्मा अशोकजी सिंघल

सर्वविदित है कि श्री अशोकजी सिंघल का सम्पूर्ण जीवन हिन्दू धर्म के उत्थान के लिए समर्पित था। परन्तु बहुत कम लोग जानते हैं कि वे वेदों के ज्ञाता थे और वैदिक शिक्षा के प्रचार-प्रसार के लिए भी उन्होंने बहुत कार्य किये थे।

कानपुर में संघ के प्रचारक के रूप में काम करते हुए अशोकजी ने अपने गुरुदेव से वेद ज्ञान प्राप्त किया। उनकी यह दृढ़ मान्यता थी कि केवल वेदों के संरक्षण और प्रसार द्वारा ही भारतीय संस्कृति जीवित रखी जा सकती है। इसी मान्यता को मूर्त रूप देने के उद्देश्य से उन्होंने अपने जीवनकाल में तीन विश्व वेद सम्मेलन आयोजित करवाए। सन्-1992 का पहला विश्व वेद सम्मेलन विश्व के सर्वोच्च वेद पण्डितों का अद्भुत संगम था। इससे हिन्दू जीवन और संस्कृति में वेदों का कितना महत्त्व है, यह स्पष्ट हुआ। इनके नेतृत्व में विश्व हिन्दू परिषद् ने अनेक वेदविद्यालय प्रारम्भ किये जो आज भी चल रहे हैं।

भारतात्मा अशोकजीसिङ्घल:

अशोकसिंघलमहाभागस्य सकलं जीवनं हिन्दुतायाः अग्रेसारणाय समर्पितमासीदिति सुविदितमेव तथापि तस्य वैदिकज्ञानं तथा वेदानां वैदिकविद्यानां च प्रचाराय तेन कृतं महत्कार्यं तावत् अप्रसिद्धमेवास्ति।

अशोकमहाभागः यदा कर्णपुरे राष्ट्रियस्वयंसेवकसंघस्य प्रचारक: आसीत् तदा वेदशास्त्रयोरद्वितीयाऽवबोधवता तद्गुरुदेवेन वेदज्ञानं लब्धवान्। अशोकमहाभागः दृढं विश्वसिति स्म यत् केवलं वेदानां परिरक्षणप्रचाराभ्यामेव भारतीयसंस्कृतिः संरक्षितुं शक्यते। इमामेव विचारसरणिं मूर्तरूपं प्रदातुम् अशोकमहाभागः स्वजीवनकाले त्रीणि विश्ववेदसम्मेलनानि समायोजयत्। १९९२ तमवर्षस्य प्रथमं विश्ववेदसम्मेलनं विश्वस्य श्रेष्ठवेदपण्डितानाम् अद्भुतं मेलनमासीत्। इमानि सम्मेलनानि हिन्दुजीवनसंस्कृत्योः कृते वेदानां योगदानं प्रकाशयितुम् उपकारकाणि आसन्। अस्य महाभागस्य नेतृत्वे नैके वेदविद्यालयाः विश्वहिन्दुपरिषदा समारभ्यन्त, ये अधुनाऽपि प्रचलन्तः सन्ति।

Bharatatma Ashokji Singhal

Everyone knows that Shri AshokJi Singhal devoted his entire life to Hindu religion. But a lesser known fact is that he was a Vedic scholar and did a lot to propagate Vedic education.

While working as Sangh Pracharak in Kanpur, Ashokji acquired knowledge of the Vedas from his guru. He believed that Indian culture can only survive through the protection and propagation of Vedas. To make this happen, he organised three World Veda Sammelans in his lifetime. The first World Veda Sammelan organised in 1992 was a unique gathering of world top Vedic scholars. It showcased the importance of Vedas in the lives of Hindus and to the culture of our land. Under his leadership, several Veda schools were started by Vishwa Hindu Parishad and these are still in operation.

उत्कृष्ट वेदविद्यार्थी

यह पुरस्कार उस वेदविद्यार्थी को दिया जाता है, जिसने वेदाध्ययन में उत्कृष्टता का प्रदर्शन किया है।

पुरस्कार के अन्तर्गत एक प्रमाण पत्र, पदक और तीन लाख रु० (₹ 3,00,000) की नकद राशि प्रदान की जाती है।

इस पुरस्कार के योग्य होने के लिए आपको निम्नलिखित सभी पात्रताएँ पूरी करना आवश्यक हैं :

- वर्तमान में आप किसी वैदिक परम्परा, योग्य वेदवेदविद्यालय या व्यक्तिगत वेदाध्यापक के पूर्णकालिक वेदविद्यार्थी हैं।
- वेदाध्ययन में मूलान्त से लेकर वर्तमान में आपकी वैदिक योग्यता के स्तर का स्पष्ट और प्रमाण योग्य प्रलेख (रिकॉर्ड) उपलब्ध है।
- आपने "स्तर-1" की न्यूनतम योग्यताएँ प्राप्त कर ली हों (कृपया "आवेदन कैसे करें" की तालिका देखें)।
- आपने विगत तीन वर्षों में भारतात्मा उत्कृष्ट वेदविद्यार्थी पुरस्कार नहीं जीता है।

पात्र वेदविद्यार्थियों की उत्कृष्टता का मूल्यांकन निम्न आधार पर किया जाएगा:

- वेदाध्ययन में उत्कृष्टता जो वैदिक शिक्षा के विभिन्न स्तरों पर शैक्षिक उपलब्धियों द्वारा प्रमाणित हुई है।
- वैदिक शिक्षा में निरन्तरता।
- पढ़े गए वेद के पारम्परिक पाठ में प्रवाह।
- वैदिक शिक्षा के अन्य क्षेत्रों में रुचि का स्तर।
- वैदिक परम्पराओं के अनुसार जीवन आचरण।
- स्ववेदशाखा या वेद ग्रन्थों के अतिरिक्त वेदशाखा या वेदग्रन्थों का अध्ययन।

जब आप पुरस्कार के लिये आवेदन करें, तब यह सुनिश्चित करें कि आपने योग्यता मापदण्डों को पूरा करने के लिए आवश्यक सभी प्रलेख साक्ष्य के तौर पर संलग्न कर दिए हैं।

आदर्श वेदाध्यापक

यह पुरस्कार वेदों के उन वेदाध्यापक को दिया जाता है, जिन्होनें वेदाध्यापन में समर्पण और प्रतिबद्धता का आदर्श प्रस्तुत किया है।

इस पुरस्कार के अन्तर्गत एक प्रमाण पत्र, पदक और पाँच लाख रु० (₹ 5,00,000) की नकद राशि प्रदान की जाती है।

इस पुरस्कार के योग्य होने के लिए आपको निम्नलिखित सभी पात्रताएँ पूरी करना आवश्यक है:

- वर्तमान में आप किसी योग्य वेदविद्यालय में वेदाध्यापक हैं या कुमाराध्यापक / एकमात्र वेदाध्यापक हैं और स्वयं का वेदविद्यालय चला रहे हैं।
- आप पूर्ण रूप से वेदाध्यापन और वैदिकशिक्षा के प्रसार के लिये समर्पित हैं।
- आपने न्यूनतम "स्तर-2" की योग्यताएँ प्राप्त कर ली हों (कृपया "आवेदन कैसे करें" की तालिका देखें)।
- न्यूनतम 10 वर्ष से पूर्णकालिक वेदाध्यापन कर रहे हैं।
- आपकी आयु 1 अगस्त, 2024 को 65 वर्ष से अधिक न हो।
- यदि किसी योग्य वेदविद्यालय में वेदाध्यापन कर रहे हैं, तो आपके न्यूनतम पाँच विद्यार्थी होने चाहिए; यदि एक वेदाध्यापक के वेदविद्यालय में या कुमाराध्यापक हैं, तो न्यूनतम तीन वेदविद्यार्थी होने चाहिए।
- आपने विगत तीन वर्षों में भारतात्मा आदर्श वेदाध्यापक पुरस्कार नहीं जीता है।

पात्र वेदाध्यापकों का मूल्यांकन स्वयं और वेदविद्यार्थी की शिक्षा में उत्कृष्टता के निम्न मापदण्डों के आधार पर होगा:

- स्तर-2 के अतिरिक्त शैक्षिक योग्यताएँ और उत्कृष्टता जैसे स्वशाखा में षडंग, भाष्य, लक्षण की योग्यताएँ और अन्य शाखाओं का अध्ययन या असाधारण वैदिक ज्ञान।
- आपके पूर्व और वर्तमान शिष्यों द्वारा शिक्षा में अर्जित उत्कृष्टता।
- मूल स्तर से भी अधिक वेदाध्ययन करने वाले आपके वेदविद्यार्थियों की उत्कृष्टता
- पूर्णकालिक वेदाध्यापन के लिए प्रेरित किये गए वेदविद्यार्थियों की संख्या।
- वैदिक परम्पराओं के अनुसार जीवन आचरण।

जब आप पुरस्कार के लिये आवेदन भरें, तब यह सुनिश्चित करें कि आपने योग्यता मानदण्डों को पूरा करने के लिए आवश्यक सभी प्रलेख साक्ष्य के तौर पर प्रस्तुत कर दिए हैं।

उत्तम वेदविद्यालय

यह पुरस्कार उस वेदविद्यालय को दिया जाता है, जिसने वेदों को सिखाने में सर्वाधिक योगदान दिया है।

इस पुरस्कार के अन्तर्गत एक प्रमाण पत्र, पदक और सात लाख रु० ₹ 7,00,000 की नकद राशि प्रदान की जाती है।

इस पुरस्कार के योग्य होने के लिये आपको निम्नलिखित सभी पात्रताएँ पूरी करना आवश्यक है:

- वेदविद्यालय जिन्हें केन्द्र या राज्य सरकार या धर्मार्थ न्यास या मन्दिर न्यास से निधि प्राप्त हो रही हो या वेदविद्यालय जिसे निजी रूप से एक वेदाध्यापक द्वारा पोषित किया जा रहा हो।
- वेदविद्यालय श्रुति परम्परा के अनुसार वेदाध्यापन के लिए समर्पित है।
- निरन्तर 20 वर्षों से सक्रिय है।
- यदि वेदविद्यालय को सरकार या ट्रस्ट से अनुदान प्राप्त हो रहा है तो वेदविद्यालय में न्यूनतम एक वेदाध्यापक और पाँच वेदविद्यार्थी होने चाहिए; यदि एक वेदाध्यापक का वेदविद्यालय या कुमाराध्यापक है तो न्यूनतम तीन वेदविद्यार्थी होने चाहिए।
- वेदविद्यालय ने विगत पाँच वर्षों में भारतात्मा उत्तम वेदविद्यालय पुरस्कार नहीं जीता है।

पात्र वेदविद्यालयों का मूल्यांकन निम्न मापदण्डों के आधार पर होगा:

- वेदविद्यालय के वेदविद्यार्थियों द्वारा अर्जित की गई शैक्षिक उत्कृष्टता
- वेदविद्यालय के वेदाध्यापकों की योग्यताएँ और अनुभव
- प्रदान की गई वैदिक शिक्षा (मूलांत से लक्षण/भाष्य इत्यादि) की गहनता
- वेदविद्यालय द्वारा तैयार किए गए वेदाध्यापकों की गुणवत्ता और संख्या
- प्रदान गई वैदिक शिक्षा का विस्तार (एक से अधिक वेद) और गहराई (उन्नत या असाधारण वेद शास्त्र)

यह सुनिश्चित करें कि आपने योग्यता मापदण्डों को पूरा करने के लिए आवश्यक सभी प्रलेख साक्ष्य के तौर पर प्रस्तुत कर दिए हैं।

आवेदन की अंतिम दिनांक 31.05.2024

उत्कृष्ट वेदविद्यार्थी

यह पुरस्कार उस वेदविद्यार्थी को दिया जाता है, जिसने वेदाध्ययन में उत्कृष्टता का प्रदर्शन किया है।

पुरस्कार के अन्तर्गत एक प्रमाण पत्र, पदक और तीन लाख रु० (₹ 3,00,000) की नकद राशि प्रदान की जाती है।

इस पुरस्कार के योग्य होने के लिए आपको निम्नलिखित सभी पात्रताएँ पूरी करना आवश्यक हैं :

- वर्तमान में आप किसी वैदिक परम्परा, योग्य वेदवेदविद्यालय या व्यक्तिगत वेदाध्यापक के पूर्णकालिक वेदविद्यार्थी हैं।
- वेदाध्ययन में मूलान्त से लेकर वर्तमान में आपकी वैदिक योग्यता के स्तर का स्पष्ट और प्रमाण योग्य प्रलेख (रिकॉर्ड) उपलब्ध है।
- आपने "स्तर-1" की न्यूनतम योग्यताएँ प्राप्त कर ली हों (कृपया "आवेदन कैसे करें" की तालिका देखें)।
- आपने विगत तीन वर्षों में भारतात्मा उत्कृष्ट वेदविद्यार्थी पुरस्कार नहीं जीता है।

पात्र वेदविद्यार्थियों की उत्कृष्टता का मूल्यांकन निम्न आधार पर किया जाएगा:

- वेदाध्ययन में उत्कृष्टता जो वैदिक शिक्षा के विभिन्न स्तरों पर शैक्षिक उपलब्धियों द्वारा प्रमाणित हुई है।
- वैदिक शिक्षा में निरन्तरता।
- पढ़े गए वेद के पारम्परिक पाठ में प्रवाह।
- वैदिक शिक्षा के अन्य क्षेत्रों में रुचि का स्तर।
- वैदिक परम्पराओं के अनुसार जीवन आचरण।
- स्ववेदशाखा या वेद ग्रन्थों के अतिरिक्त वेदशाखा या वेदग्रन्थों का अध्ययन।

जब आप पुरस्कार के लिये आवेदन करें, तब यह सुनिश्चित करें कि आपने योग्यता मापदण्डों को पूरा करने के लिए आवश्यक सभी प्रलेख साक्ष्य के तौर पर संलग्न कर दिए हैं।

आदर्श वेदाध्यापक

यह पुरस्कार वेदों के उन वेदाध्यापक को दिया जाता है, जिन्होनें वेदाध्यापन में समर्पण और प्रतिबद्धता का आदर्श प्रस्तुत किया है।

इस पुरस्कार के अन्तर्गत एक प्रमाण पत्र, पदक और पाँच लाख रु० (₹ 5,00,000) की नकद राशि प्रदान की जाती है।

इस पुरस्कार के योग्य होने के लिए आपको निम्नलिखित सभी पात्रताएँ पूरी करना आवश्यक है:

- वर्तमान में आप किसी योग्य वेदविद्यालय में वेदाध्यापक हैं या कुमाराध्यापक / एकमात्र वेदाध्यापक हैं और स्वयं का वेदविद्यालय चला रहे हैं।
- आप पूर्ण रूप से वेदाध्यापन और वैदिकशिक्षा के प्रसार के लिये समर्पित हैं।
- आपने न्यूनतम "स्तर-2" की योग्यताएँ प्राप्त कर ली हों (कृपया "आवेदन कैसे करें" की तालिका देखें)।
- न्यूनतम 10 वर्ष से पूर्णकालिक वेदाध्यापन कर रहे हैं।
- आपकी आयु 1 अगस्त, 2024 को 65 वर्ष से अधिक न हो।
- यदि किसी योग्य वेदविद्यालय में वेदाध्यापन कर रहे हैं, तो आपके न्यूनतम पाँच विद्यार्थी होने चाहिए; यदि एक वेदाध्यापक के वेदविद्यालय में या कुमाराध्यापक हैं, तो न्यूनतम तीन वेदविद्यार्थी होने चाहिए।
- आपने विगत तीन वर्षों में भारतात्मा आदर्श वेदाध्यापक पुरस्कार नहीं जीता है।

पात्र वेदाध्यापकों का मूल्यांकन स्वयं और वेदविद्यार्थी की शिक्षा में उत्कृष्टता के निम्न मापदण्डों के आधार पर होगा:

- स्तर-2 के अतिरिक्त शैक्षिक योग्यताएँ और उत्कृष्टता जैसे स्वशाखा में षडंग, भाष्य, लक्षण की योग्यताएँ और अन्य शाखाओं का अध्ययन या असाधारण वैदिक ज्ञान।
- आपके पूर्व और वर्तमान शिष्यों द्वारा शिक्षा में अर्जित उत्कृष्टता।
- मूल स्तर से भी अधिक वेदाध्ययन करने वाले आपके वेदविद्यार्थियों की उत्कृष्टता
- पूर्णकालिक वेदाध्यापन के लिए प्रेरित किये गए वेदविद्यार्थियों की संख्या।
- वैदिक परम्पराओं के अनुसार जीवन आचरण।

जब आप पुरस्कार के लिये आवेदन भरें, तब यह सुनिश्चित करें कि आपने योग्यता मानदण्डों को पूरा करने के लिए आवश्यक सभी प्रलेख साक्ष्य के तौर पर प्रस्तुत कर दिए हैं।

उत्तम वेदविद्यालय

यह पुरस्कार उस वेदविद्यालय को दिया जाता है, जिसने वेदों को सिखाने में सर्वाधिक योगदान दिया है।

इस पुरस्कार के अन्तर्गत एक प्रमाण पत्र, पदक और सात लाख रु० ₹ 7,00,000 की नकद राशि प्रदान की जाती है।

इस पुरस्कार के योग्य होने के लिये आपको निम्नलिखित सभी पात्रताएँ पूरी करना आवश्यक है:

- वेदविद्यालय जिन्हें केन्द्र या राज्य सरकार या धर्मार्थ न्यास या मन्दिर न्यास से निधि प्राप्त हो रही हो या वेदविद्यालय जिसे निजी रूप से एक वेदाध्यापक द्वारा पोषित किया जा रहा हो।
- वेदविद्यालय श्रुति परम्परा के अनुसार वेदाध्यापन के लिए समर्पित है।
- निरन्तर 20 वर्षों से सक्रिय है।
- यदि वेदविद्यालय को सरकार या ट्रस्ट से अनुदान प्राप्त हो रहा है तो वेदविद्यालय में न्यूनतम एक वेदाध्यापक और पाँच वेदविद्यार्थी होने चाहिए; यदि एक वेदाध्यापक का वेदविद्यालय या कुमाराध्यापक है तो न्यूनतम तीन वेदविद्यार्थी होने चाहिए।
- वेदविद्यालय ने विगत पाँच वर्षों में भारतात्मा उत्तम वेदविद्यालय पुरस्कार नहीं जीता है।

पात्र वेदविद्यालयों का मूल्यांकन निम्न मापदण्डों के आधार पर होगा:

- वेदविद्यालय के वेदविद्यार्थियों द्वारा अर्जित की गई शैक्षिक उत्कृष्टता
- वेदविद्यालय के वेदाध्यापकों की योग्यताएँ और अनुभव
- प्रदान की गई वैदिक शिक्षा (मूलांत से लक्षण/भाष्य इत्यादि) की गहनता
- वेदविद्यालय द्वारा तैयार किए गए वेदाध्यापकों की गुणवत्ता और संख्या
- प्रदान गई वैदिक शिक्षा का विस्तार (एक से अधिक वेद) और गहराई (उन्नत या असाधारण वेद शास्त्र)

यह सुनिश्चित करें कि आपने योग्यता मापदण्डों को पूरा करने के लिए आवश्यक सभी प्रलेख साक्ष्य के तौर पर प्रस्तुत कर दिए हैं।

आवेदन की अंतिम दिनांक 31.05.2024

Utkrishta Vedavidyarthi

This award will be given to a Vedavidyarthi who has demonstrated excellence in his Vedadhyapan of the Vedas.

The award comprises a certificate, medal and a cash sum of three lakh rupees (Rs.3,00,000).

To qualify for this award you must meet all of the following:

- Be a full-time student, in the Vedic tradition, of a qualifying Vedavidyalaya or individual Vedadhyapaka at present.
- Have a clear and traceable record of study of the Vedas from moolant to your current levels of Vedic qualification.
- Have passed the following minimum qualifications of Level 1 (see table).
- Have not won the Bharatatma utkarsha vedavidyarthi puraskar in the last three years.

Qualifying Vedavidyarthi will be evaluated for excellence in Vedadhyayana on the following basis:

- Excellence in Vedadhyayana as evidenced by the academic achievements at various levels of Vedic education.
- Continuity in Vedic education.
- Fluency in the traditional recitation of the studied Veda.
- The level of interest in other areas of education.
- Conduct of life as per traditional Vedic practices.
- Vedadhyayana of Vedas other than Swavedashakha or other Vedashakha.

When applying for the award, please make sure that you provide all the documentary evidence needed to establish that you meet the qualifying criteria.

Adarsh Vedadhyapaka

This award is given to a Vedadhyapaka of the Vedas who has demonstrated dedication and commitment to the Vedadhyapana of the Vedas.

The award comprises a certificate, medal and a cash sum of five lakh rupees (Rs. 5,00,000).

To qualify for this award you must meet all of the following:

- Currently be a Vedadhyapaka in a qualifying Vedavidyalaya or be a kumaradhyapaka / single Vedadhyapaka and maintain your own Vedavidyalaya.
- Be dedicated solely to the teaching and propagation of the Vedas.
- Have passed the minimum qualifications of Level 2 (see table).
- Have been in continuous and full-time Vedadhyapana of the Vedas for at least ten years.
- Your age should not be more than 65 years as on 1st August 2024.
- If Vedadhyapana in a qualifying vedavidyalaya, must have at least five Vedavidyarthi; if in a single Vedadhyapaka Vedavidyalaya / kumaradhyapaka, must have at least three Vedavidyarthi.
- Not have won the Bharatatma Adarsha Vedadhyapaka in the in the last three years.

Qualifying Vedadhyapaka will be evaluated on the excellence of their own education and of their Vedavidyarthi on following basis:

- Academic qualifications and excellence beyond Level 2, such as qualifications in Shadanga, Bhashya, Lakshana etc. in Swavedashakha, or study other shakhas or rare Vedic knowledge.
- Academic excellence achieved by your past and present Vedavidyarthi.
- Excellence of Vedavidyarthi that have continued Vedic study beyond basic qualifications.
- Number of Vedavidyalaya motivated to take up full-time Vedadhyapana.
- Conduct of your life as per Vedic practices.

When applying for the award, please make sure that you provide all the documentary evidence needed to establish that you meet the qualifying criteria.

Uttama Vedavidyalaya

This award is given to a Vedavidyalaya of the Vedas that has contributed most for learning of the Vedas.

The award comprises a certificate, and a cash sum of seven lakh rupees (Rs 7,00,000).

To qualify for this award a Vedavidyalaya must fulfil all of the following criteria:

- Vedavidyalaaya funded by central or state governments or charitable trusts or temple trusts or Vedavidyalayas personally funded by a single Vedadhyapaka.
- Be dedicated to the teaching of the Vedas in the shruti tradition.
- Are and have been in continuous operation for a period of at least 20 years.
- If a Vedavidyalaya is funded by the government or trusts, must have at least one Vedadhyapaka and five Vedavidyarthi; if it is a single Vedadhyapaka Vedavidyalaya / kumaradhyapak, must have at least three Vedavidyarthi.
- Not have won the Bharatatma Uttama Vedavidyalaya in the last five years.

Qualifying Vedavidyalaya will be evaluated on the following basis:

- Academic excellence achieved by Vedavidyrthi of the Vedavidyalaya.
- Qualifications and experience of Vedadhyapaka in the Vedavidyalaya.
- Depth of Vedic education (moolant to lakshan / bhashya etc.) imparted.
- Number and quality of Vedadhyapaka produced by the Vedavidyalaya.
- Width (more than one Veda) and depth (advanced or rare Vedic texts) of study imparted.

When applying for the award, please make sure that you provide all the documentary evidence needed to establish that you meet the qualifying criteria.

Last date for receipt of applications: 31.05.2024

आवेदन कैसे करें

आवेदन प्रस्तुत करने की अन्तिम दिनांक 31 मई 2024 है। 31 मई मध्यरात्रि 12 बजे से पूर्व ऑनलाइन माध्यम से आवेदन प्रस्तुत कर दिये जाने चाहिए। नियत दिनांक के पश्चात् आवेदन का लिंक स्वतः ही निष्क्रिय हो जायेगा। प्रत्येक श्रेणी के लिये ऑनलाइन आवेदन आप हमारी वेबसाइट http://bharatatmapuraskar.org से भर सकते हैं। यदि आप ऑफलाइन माध्यम से आवेदन भर रहे हैं, तब भी नियत दिनांक तक सिंघल फाउण्डेशन के कार्यालय में आपके आवेदन पहुँच जाने चाहिए। नियत दिनांक के पश्चात् प्राप्त आवेदनों पर 2024 के पुरस्कारों के लिये विचार नहीं किया जाएगा। यदि आप ऑफलाइन आवेदन भरना चाह रहे हैं, तो आप आवेदन हमारी वेबसाइट से डाउनलोड कर हस्तलिखित या माइक्रोसॉफ्ट वर्ड का प्रयोग कर भर सकते हैं। यदि आप पूर्णतः भरा हुआ ऑफलाइन आवेदन पत्र सभी प्रलेखों के साथ ईमेल के द्वारा भेज रहे हैं, तो सिर्फ .pdf प्रारूप में ही applications@bharatatmapuraskar.org पर ईमेल करें ना कि .doc या .docx में। आप pdf प्रारूप में ही आवेदन व्हाट्सएप्प संख्या +91 73576 58777 पर भी भेज सकते हैं। भरा हुआ आवेदनपत्र डाक या कूरियर के माध्यम से सिंघल फाउण्डेशन, द्वारा सिक्योर मीटर्स लिमिटेड, प्रतापनगर इण्डस्ट्रियल एरिया, उदयपुर-313003 को भी भेज सकते हैं।

चयन प्रक्रिया

प्रत्येक श्रेणी के विजेता चुनने के लिए एक उच्च गुणवत्ता वाली निष्पक्ष प्रक्रिया अपनाई जाती है। विजेताओं का चयन दो चरणों की प्रक्रिया द्वारा किया जाता है। प्रथम चरण में वेदविशेषज्ञों की एक समिति प्राप्त आवेदनों (जिसमें आवेदकों के नाम अज्ञात होते हैं) की गहन समीक्षा कर सम्भावित विजेताओं की एक सूची बनाती है। यह छंटनी आवेदकों द्वारा आवेदन पत्र के साथ भेजी गई जानकारी के आधार पर की जाती है। इसके पश्चात् प्रतिष्ठित वेदविशेषज्ञों की निर्णायक समिति (जूरी) इस सूची पर विचार करती है। विजेताओं पर अपना अन्तिम निर्णय लेने से पूर्व जूरी चयनित वेदविद्यालयों का दौरा तथा चयनित वेदाध्यापकों और वेदविद्यार्थियों से साक्षात्कार करती है।

अनुशंसा

सिंघल फाउण्डेशन को विदित है कि कई वेदाध्यापक वेदाध्यापन को अपना धर्म समझ वेदसेवा के प्रति समर्पित हैं व वे किसी पुरस्कार इत्यादि के लिए अपना आवेदन नहीं देना चाहते। हम ऐसे पूर्णरूपेण समर्पित वेदाध्यापकों को भी भारतात्मा पुरस्कार की प्रक्रिया से जोड़ना चाहते हैं। भारतात्मा पुरस्कार की अष्टम श्रृंखला (2024) में आदर्श वेदाध्यापक श्रेणी हेतु योग्य नामों की अनुशंसा करने का भी प्रावधान किया गया है। वेदाध्यापक श्रेणी हेतु निर्धारित मापदण्डों एवं निजी ज्ञान के आधार पर कोई भी वैदिक विद्वान अथवा वेदविद्यार्थी अपने वेदाध्यापक का नाम व सम्पर्क जानकारी सिंघल फाउण्डेशन को ईमेल या SMS पर 1 मई से 25 मई 2024 तक भेज सकते हैं। हम अनुशंसित वेदाध्यापक से सम्पर्क कर उनका आवेदन प्राप्त करने का प्रयत्न करेंगे।

कथमावेदनीयम्

आवेदनपत्रप्राप्तेः अन्तिमदिनाङ्कः - 31/05/2024 वर्तते। आवेदनपत्रं मईमासस्य 31 दिनाङ्के मध्यरात्रौ 12 वादनात् पूर्वम् अन्तर्जालीयमाध्यमेन दातव्यम्। नियतदिनाङ्कानन्तरम् अन्तर्जालीयावेदनव्यवस्था स्वयमेव निष्क्रिया भविष्यति। http://bharatatmapuraskar.org इत्यस्माकम् अन्तर्जालीयपुटतः प्रत्येकं श्रेण्याः कृते अन्तर्जालीयावेदनपत्रं पूरयितुं शक्यते। यदि भवान् ऑफलाइन इत्यनेन माध्यमेन आवेदनपत्रं पूरयति चेदपि नियतदिनाङ्कपर्यन्तं भवतः आवेदनपत्रं सिंघल फाउण्डेशन इत्यस्य कार्यालये प्राप्नुयात्। नियतदिनाङ्कात् पश्चात् प्राप्तावेदनपत्रोपरि चतुर्विंशत्योत्तरद्विसहस्रतमवर्षस्य पुरस्काराणां कृते विचारः न भविता। यदि भवता ऑफलाइन इत्यनेन माध्यमेन आवेदनं पूरयितुं काम्यते तर्हि अस्माकम् अन्तर्जालीयपुटतः आवेदनपत्रं डाउनलोड् इति कृत्वा हस्तलेखेन अथवा "माइक्रोसॉफ्टवर्ड" इत्यस्य प्रयोगेण पूरयितुं शक्नोति। यदि भवान् पूर्णरूपेण पूरितम् आवेदनपत्रं समस्तप्रलेखैः साकम् ईमेलमाध्यमेन प्रेषयति चेत् .pdf प्रारूपे एव applications@bharatatmapuraskar.org इत्यत्र प्रेषयतु, न तु .doc,.docx प्रारूपे। +91 73576 58777 एतद् व्हाट्सएप्प इति क्रमाङ्कोपरि भवान् .pdf प्रारूपेण प्रेषयितुं शक्नोति। पूरितम् आवेदनपत्रं डाकमाध्यमेन "सिंघल फाउण्डेशन द्वारा सिक्योर मीटर्स लिमिटेड, प्रतापनगर इण्डस्ट्रियल एरिया, उदयपुरम् ३१३००३" इति पत्रसंकेतोपरि प्रेषयतु।

चयनप्रक्रिया

प्रत्येकं श्रेण्याः विजेतारं चेतुमेका उत्कर्षशालिनी निष्पक्षप्रक्रिया आचर्यते। विजेतॄणां चयनं चरणद्वयात्मिकया प्रक्रियया भवति। प्रथमचरणे वेदज्ञानां समितिरेका प्राप्तावेदनपत्राणि (यस्मिन् आवेदकानां नामानि अज्ञातानि भवन्ति) समीक्ष्य सम्भावितविजेतॄणां एकां सूचीं निर्माति। एतच्छोधनप्रक्रिया आवेदकैः आवेदनपत्रेषु प्रदत्तसूचनायाः आश्रिता भवति। एतदनु वेदानां प्रतिष्ठितविशेषज्ञानां निर्णायकसमितिः (जूरी) एतां सूचीं विचारयति। निर्णायकसमितिः विजेतॄणाम् अन्तिमनिर्णयात्पूर्वं चितानां वेदविद्यालयानां भ्रमणं तथा च चितावेदाध्यापकविद्यार्थिनां साक्षात्कारं विदधाति।

अनुशंसा

सिंघलप्रतिष्ठानेन ज्ञायते यद् बहवः वेदाध्यापकाः वेदाध्यापनं स्वधर्मम् इति मत्वा वेदसेवायां समर्पिताः किन्तु तैः पुरस्कारार्थम् आवेदनं न क्रियते। वयं एतादृशान् पूर्णरूपेण वेदाध्यापने समर्पितान् आचार्यान् अपि भारतात्मापुरस्कारचयनप्रक्रियया योक्तुमिच्छामः। भारतात्मापुरस्कारस्य अष्टमश्रृंखलायां (2024 तमवर्षस्य) आदर्शवेदाध्यापकश्रेण्यां योग्यनाम्नाम् अनुशंसायाः प्रावधानमपि विहितमस्ति। यः कोऽपि वैदिकविद्वान् वा वेदविद्यार्थी पुरस्कारार्थं वेदाध्यापकश्रेण्यां निर्धारितदण्डानां पूरयितुः स्ववेदाध्यापकस्य वैदिकविदुषः वा नाम-संपर्कसंकेतादिकञ्च सिंघलप्रतिष्ठानस्य पार्श्वे ई-मेल वा SMS माध्यमेन 1 मईतः 25 मई 2024 पर्यन्तं प्रेषयितुं शक्नोति। वयम् अनुशंसिताचार्येण सह संपर्कं विधाय आवेदनं प्राप्तुं यतिष्यामहे।

How to apply

The last date for submission of applications is 31st May 2024. Online submission of applications should be done before 12 midnight on 31st May. After this date the link to the application will automatically become inactive. You can fill online applications for each category from our website http://bharatatmapuraskar.org. Even if you are filling the application in offline mode, your applications should reach the office of Singhal Foundation by the due date (31st March 2024). Applications received after the due date will not be considered for the awards for 2024. If you want to fill the application offline, you can download the application from our website and fill it in by hand or using Microsoft Word. If you are sending completely filled offline application form with all documents by email, please email it to applications@bharatatmapuraskar.org in .pdf format only and not in .doc or .docx. You can also send the application in PDF format to WhatsApp number +91 73576 58777. The filled application form can also be sent through post or courier to Singhal Foundation, Secure Meters Limited, Pratapnagar Industrial Area, Udaipur-313003.

The selection process

A high-quality, impartial process, is run for selecting the winners in each category. The decision of the winners is made through a two stage process. At the first stage, a committee of Vedic experts review all applications received (these have been anonymised) to produce a short-list of possible winners. This is based on the information provided by the applicants on the application forms. The short-list of candidates is then considered by a Jury comprising eminent experts in the Vedas. The Jury also visit the short-listed schools and meet the short-listed teachers and candidates before finally deciding the winners.

Recommendation

The Singhal Foundation is aware that many Vedadhyapaka are devoted to the Vedas to understand Vedadhyapana as their religion, and do not want to apply for any award. We also want to connect such full-time dedicated teachers to the process of the Bharatatma Puraskar. It is proposed that we allow students to recommend their gurus in the ideal Vedadhyapaka category. In this seventh Bharatatma Puraskar, we have made provision for this. Any Vedic scholar or student can send his Vedadhyapaka's name and contact information to Singhal Foundation based on the norms and personal knowledge for the Vedadhyapa's category, from 1st May to 25th May 2024 on email or SMS. We will contact the recommended Vedadhyapaka and try to get their application.

*वेदाध्ययन समकक्षता सूची

अध्ययन स्तर	ऋग्वेद	कृष्ण यजुर्वेद	शुक्ल यजुर्वेद	सामवेद	अथर्ववेद
स्तर - 1	क्रमपाठ	क्रमपाठ	क्रमपाठ	सम्पूर्ण आर्चिक संहिता, प्रकृतिगान से महानाम तक, सम्पूर्ण छान्दोग्यमन्त्र ब्राह्मण	सम्पूर्ण अथर्ववेद संहिता, गोपथ ब्राह्मण, मुण्ड-माण्डूक्य उपनिषद्, माण्डूकीशिक्षा, कौशिक गृह्यसूत्र, वैखानस श्रौतसूत्र
स्तर - 2	घनपाठ	घनपाठ	घनपाठ (बृहदारण्यक के साथ)	सामवेद संहिता के पूर्वार्चिक और उत्तरार्चिक का सम्पूर्ण पादपाठ, ऊहगान, रहस्यगान और सम्पूर्ण छान्दोग्योपनिषद्	उपर्युक्त और अथर्वज्योतिष, कौश्यनिघण्टु, अष्टाध्यायी, संहिता पञ्चलक्षण भाष्य

सिंघल फाउण्डेशन

सिंघल फाउण्डेशन स्व. श्री पी.पी. सिंघल की स्मृति में उनके तीनों पुत्रों द्वारा स्थापित एक पंजीकृत न्यास है। स्व. श्री सिंघल द्वारा अपने जीवनकाल में प्रारम्भ किए गए परोपकारी कार्यों को जारी रखने के उद्देश्य से इस न्यास की स्थापना सन्-1980 में की गई। श्री अशोकजी सिंघल श्री पी.पी. सिंघल के छोटे भाई थे और उन्हीं की प्रेरणा से सिंघल परिवार वेद सेवा के लिए प्रतिबद्ध है।

भारतात्मा पुरस्कार के माध्यम से हम वेद सेवा के प्रति हमारी वचनबद्धता दोहराना चाहते हैं। सिंघल फाउण्डेशन द्वारा स्थापित भारतात्मा अशोकजी सिंघल वेद पुरस्कार वैदिक शिक्षा के क्षेत्र में पहले राष्ट्रीय स्तर के पुरस्कार हैं। इन पुरस्कारों का दोहरा उद्देश्य हैं, पहला वैदिक शिक्षा को प्रोत्साहित करना और दूसरा वेद सेवा के लिए अपना समस्त जीवन समर्पित करने वाले स्व॰ श्री अशोकजी सिंघल की स्मृति को चिरस्थायी बनाए रखना।

फाउण्डेशन वार्षिक रूप से उत्तम वेदविद्यालय, आदर्श वेदाध्यापक और उत्कृष्ट वेदविद्यार्थी श्रेणियों में ये पुरस्कार प्रदान करता है।

सिङ्घलप्रतिष्ठानम्

सिङ्घलप्रतिष्ठानं स्वर्गतस्य पि.पि.सिङ्घलमहाभागस्य स्मृतौ तस्य त्रिभिः पुत्रैः स्थापितः एकः पञ्जीकृतन्यासः वर्तते। स्वर्गतैः पि.पि.सिङ्घलमहाभागैः स्वजीवनकाले समारब्धानां धार्मिककार्याणाम् अनुवर्तनाय सिङ्घलप्रतिष्ठानं १९८० तमे वर्षे प्रत्यष्ठाप्यत।

अशोकसिङ्घलमहाभागः पि.पि.सिङ्घलमहोदयस्य अनुजः आसीत्। तस्य महाभागस्य प्रेरणया सिङ्घलकुटुम्बः वेदसेवायां प्रतिबद्धः वर्तते।
भारतात्मा-पुरस्कारमाध्यमेन वयं वेदसेवाविषयिणीम् अस्मत्प्रतिनिबद्धताम् अनुवर्तयितुमिच्छामः। सिङ्घलप्रतिष्ठानेन स्थापिताः
“भारतात्मा-अशोकजीसिङ्घल-वैदिकपुरस्काराः” वैदिकशिक्षाक्षेत्रे ऐदंप्राथम्येन दीयमानाः राष्ट्रस्तरीयाः पुरस्काराः सन्ति। एतेषां पुरस्काराणां प्रयोजनद्वयमस्ति-वैदिकशिक्षायाः प्रोत्साहनं वेदसेवायां समर्पितस्य स्वर्गतस्य अशोकसिङ्घलमहाभागस्य नाम्नः शाश्वतीकरणञ्च।

प्रतिष्ठानं प्रतिवर्षम् उत्तमवेदविद्यालय-आदर्शवेदाध्यापक-उत्कृष्टवेदविद्यार्थिश्रेणिषु इमान् पुरस्कारान् वितरति। वयमाशास्महे यदिमे पुरस्काराः वेदशिक्षामनुसर्तुम् अस्याः प्रचारप्रसारार्थञ्च प्रोत्साहयिष्यन्तीति।

Singhal Foundation

Singhal Foundation is a registered trust, founded in the memory of Late Shri P.P. Singhal by his three sons. This trust was founded in 1980 to continue the charitable works initiated by Late Shri Singhal during his lifetime.

Shri Ashokji Singhal was the younger brother of Shri P.P. Singhal. The family, taking inspiration from him, has committed to the services of Vedas. Bharatatma Puraskar are the first national level awards in the field of Vedic education. The purpose of these awards is to encourage Vedic education and to perpetuate the memory of Shri Ashokji Singhal who dedicated his life to the service of Vedas. Through these awards, the Singhal family wants to reiterate its commitment to the service of the Vedas.

The Foundation gives awards every year under three categories: Best Vedic School, Ideal Vedic Teacher and Excellent Veda Student.

Singhal Foundation

c/o Secure Meters Ltd, Pratapnagar Industrial Area, Udaipur 313003 | T: +91 73576 58777 | E: info@singhalfoundation-udaipur.org
www.bharatatmapuraskar.org